४०१/२८६

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - ६ जून, २०१०)

(समय : सुबह ९:०० से ११:१५) **सत्संग प्रवेश - १**

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : ७५**

विभाग-१ : नीलकंठ चरित्र - द्वितीय संस्करण, फरवरी - २००७

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **[९]**

१. ''मेरे कदम जहाँ पड़ते हैं, भय वहाँ से भाग जाता है ।'' (७३)

२. ''आत्यंतिक कल्याण का मार्ग उन्हीं के द्वारा प्रशस्त होगा ।'' (११२)

३. ''आप बारबार कहते थे कि मैं तो डुगडुगी बजाता हूँ । नाच नचानेवाले नटवर तो अब आएँगे, तो वह क्या यही वर्णी हैं ।'' (१०५)

प्र.२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **[६]**

१. जिअर स्वामी ने नीलकंठवर्णी को मठ में से निकाल दिया । (६४)

२. रघुनंदन के माता-पिता रोने लगे । (५)

३. सिरपुर में नीलकंठवर्णी ने बाबाओं को सच्चे साधु बनने के लिए उपदेश दिया । (३४)

प्र.३ 'स्वरूप की पहचान ।' (७४) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **[५]**

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **[५]**

१. हनुमानजी ने पिबैक से क्या कहा ? (३७)

२. नीलकंठवर्णी ने अपनी वाणी को क्या शाप दिया ? (१६)

३. मोक्ष प्राप्ति के लिए क्या आवश्यक है ? (८)

४. नीलकंठवर्णी ने वनविचरण दौरान किस स्थान पर कठिन तपश्चर्या की ? (२४)

५. नीलकंठवर्णी नाव को कहाँ ले गए ? (४४)

प्र.५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **[४]**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. वनविचरण दौरान किन किन राजाओं को नीलकंठवर्णी के दर्शन हुए ? (१५, २८, ३२)

(१) ☐ रणजितसिंह (२) ☐ सूर्यवल्लभ (३) ☐ महादत्त (४) ☐ रणबहादुर

२. नीलकंठवर्णी के बायें पैर में कौन से चिह्न थे ? (६०)

(१) ☐ मीन (२) ☐ वज्र (३) ☐ व्योम (४) ☐ पद्म

प्र.६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । **[४]**

१. ..... ने मुकुंददेव के पुत्र से विवाह तोड़ दिया । (५४)

२. नीलकंठवर्णी जनकपुर में ..... सरोवर के तट पर ठहरे । (४८)

३. मानसपुर के राजा का नाम ..... था । (५१)

४. कन्याकुमारी को ..... भी कहा जाता है । (६५)

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग-१ - प्रथम संस्करण, जून - १९९७

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **[९]**

१. ''वह सारा कामकाज बंद हो जाने के कारण अब हम धन की सेवा कैसे कर सकते हैं ?'' (३९)

२. ''एक नख जितनी धरती पर भी बिना आपके दूसरा भगवान कहीं नहीं दिखाई देता ।'' (९)

३. ''वह यदि आपका भक्त होगा तो आप, बिना सिफ़ारिश के उसे सम्हालेंगे ।'' (३२)

प्र.८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **[४]**

१. निर्गुण स्वामी ने अफ्रीका के हरिभक्त को मीठा उलाहना देता हुआ पत्र लिखा । (५६)

२. आशाभाई और ईश्वरभाई ने साधी गाँव छोड़ने का निश्चय किया । (६०)

प्र.९ 'झीणाभाई की सत्संग के प्रति अभिरुचि' (३०) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **[५]**

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग प्रवेश-१**'' परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महीना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **[४]**

१. जीवुबा कौन से दो कठोर नियमों का पालन करती थीं ? (४४)

२. देवानंद स्वामी के शिष्य कौन थे ? (१७)

३. लाडुदानजी को धमड़का में किस के दर्शन हुए ? (२)

४. शुकमुनि को महाराज की प्रत्येक क्रिया में कैसी बुद्धि थी ? (२३)

प्र.११ निम्नलिखित विषय और सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । **[६]**

विषय : शुकानंद स्वामी । (२१)

१. डभाण से कोई मुक्त आ रहा है । **२.** दिनभर सत्संग का कार्य करते थे और रातभर बुखार सहते थे - इस प्रकार पाँच साल यह काम जारी रखा । **३.** महेलाव जाकर धोरीभाई के छः महीने के लडके डुंगरभाई को वर्तमान निवेदित किया । **४.** मुक्तानंद स्वामी ने वेदविधि से उनको दीक्षा देकर शुकानंद स्वामी नाम रखा । **५.** जगन्नाथ घरबार छोड़कर गोंडल की ओर निकल पड़े । **६.** श्रीजीमहाराज ने हलुवा देकर द्वादशी का पारणा करवाया । **७.** शुकमुनि ने सारी रात जागकर चौदह पन्ने लिखे । **८.** श्रीजीमहाराज ने वचनामृत कारियाणी प्रकरण-७ में शुकमुनि की प्रशंसा की और उन्हें मुक्तानंद स्वामी जैसे कहा । **९.** ये डभाणिया नीम का पेड़, डभाणिया बैल और डभाणिया शुकमुनि - तीनों हमारे बहुत उपयोग में आये हैं । **१०.** दादाखाचर ने श्रीजीमहाराज की इच्छा ताड़कर बढ़ई के पास लकडियाँ चिरवाई । **११.** जगन्नाथ ने सुरा खाचर से बात करी की श्रीजीमहाराज को सिफ़ारिश करो तो मुझे साधु बनाए । **१२.** डभाण में आकर बसे हुए विप्र जगन्नाथ वैसे तो नडियाद के निवासी थे ।

(१) केवल सही क्रमांक ☐☐☐☐☐☐

(२) यथार्थ घटनाक्रम ☐☐☐☐☐☐

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे। अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **[४]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : स्वामी यज्ञप्रियदासजी : मोतीभाई के पुत्र जेठाभाई, खेत में घुमते समय बिच्छू के काटने से धाम में गए । बाद में श्रीजीमहाराज के साथ आकर मोतीभाई को नारायण कहा ।

उत्तर : स्वामी यज्ञप्रियदासजी : आशाभाई के पुत्र **देसाईभाई**, **चारागाह** में **काम** करते समय **सर्पदंश** होने से धाम पधारे । बाद में **भगतजी महाराज** के साथ आकर **आशाभाई** को **जय स्वामिनारायण** बोला ।

१. **भक्तराज जीवुबा :** एक समय जीवुबा रथ में बैठ कर कालवाणी से गढ़पुर जा रही थीं, उस समय आत्मानंद स्वामी को रथ दिया क्योंकि उन्हें दस्त लग गये थे, इसलिए चलने की ताक़त उनमें नहीं थी । (४६)

२. **स्वामी यज्ञप्रियदासजी :** शास्त्रीजी महाराज ने कहा, ''यह तो हमारे ही कार्य में विघ्न आ गया । हमलोग गोंडल मन्दिर के लिए मूर्तियाँ खरीदने जोधपुर जाने के लिए पैसे लेने आये तो यह संकट आ पड़ा ।'' (६२)

३. **स्वामी निर्गुणदासजी :** संवत् १९५३ में आचार्य रघुवीरजी महाराज ने जेठा भगत की सुरत मन्दिर के कोठारी के रूप में नियुक्ति की ।

४. **भक्तराज दरबार श्री झीणाभाई :** ''निर्मलशी भक्त की चारपाई को लेकर झीणाभाई जितने कदम चले थे, उससे त्रिगुने कदम हम झीणाभाई की अर्थी उठाकर चले हैं ।'' (३३)

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । **[१०]**

१. भगवान हमेशा के लिए रक्षा में हैं । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) मे - २००८, पा. नं. ९, ४३)

२. टीनएज संतान और प्रेम । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) जनवरी - २००९, पा. नं. १४-१५)

३. गुरु महिमा : शास्त्र वचन के आधार से । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) जुलाई - २००८, पा. नं. १२-१३)

❋ ❋ ❋

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ४ जुलाई, २०१० के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।